मन की प्रभा

१ अप्रैल, २०१९

आत्मीय पाठकगण,

अप्रैल माह के आगमन के साथ, उत्तरी गोलार्ध में वसन्त ऋतु की बहार छा गई है। इस वर्ष श्रीगुरुमाई के नववर्ष सन्देश के अध्ययन में खुद को निमग्न करने से हमारी साधना गहरी व नवीन ऊर्जा से सम्पन्न हुई है।

'मधुर सरप्राइज़ २०१९' में गुरुमाई जी सकारात्मक मन के लाभों के विषय में बताती हैं। इस माह मैं आपको आमन्त्रित करती हूँ कि आप उन नवीन तरीक़ों को खोजें जिनसे आपका मन अपने कान्तिमय स्वरूप को पहचान सके, उसे अंगीकार कर सके व उसका स्पर्श कर सके। जब आप हर क्षण की ओर इस जागरूकता के साथ बढ़ेंगे, तब आप सकारात्मक मन की कृपा को पहचान जाएँगे। यह वो पल हो सकता है जब आपके अन्दर एक ऐसी खुशी उमड़े जो बताई न जा सके, या आपको अपने हृदय में शुद्ध प्रेम की उमंग महसूस हो, या फिर आपको लगे कि सभी के प्रति शान्ति और सहृदयता की चादर ने आपको ढँक लिया है।

सिद्धयोग पथ की वेबसाइट पर इस माह के रत्न, प्रज्ञान से चमक रहे हैं ताकि मन के दीप्तिमान स्वरूप को अनावृत करने में आपको मदद मिल सके। इस पूरे माह जब आप वेबसाइट देखेंगे तो आप पाएँगे :

- इस माह के लिए 'ध्यान-सत्र,' जिसका शीर्षक है, *' Shepherd the Mind toward Its Own Light '*। यह पहले सीधे ऑडिओ प्रसारण द्वारा और फिर वेबकास्ट द्वारा उपलब्ध होगा।
- *"Sadhana* and the Refined Intellect"— स्वामी अखण्डानन्द द्वारा व्याख्या, जो उन तरीक़ों के बारे में बताती है जिनसे मन, आत्मा के प्रकाश के साथ बेहतर ढंग से एक-लय हो सके
- ईशा सरदेसाई द्वारा लिखित, "श्रीगुरुमाई के वर्ष २०१९ के सन्देश पर आधारित नई कहानियाँ"
- भारत के सन्त-कवियों द्वारा रचित 'भजन', 'अभंग' और दोहों का एक संकलन जो पवित्र मन्त्र, सोऽहम् के महत्त्व को समझाता है
- 'श्रीगुरुमाई के सन्देश पर अभ्यास-पुस्तिका' से 'अभ्यास-पत्र १० से १३ तक।'
  इन अभ्यास-पत्रों में श्रीगुरुमाई द्वारा दिए गए प्रश्नों पर अन्वेषण करना, वह सशक्त माध्यम है

जिससे आप अपने मन के कार्य करने के तरीक़ों को समझ सकें और उसे अपने वैभव की ओर पुनः मार्गदर्शित करने के उपाय सीख सकें।

सिद्धयोग पथ पर, महोत्सव हमारे जीवन में सत्य की उपस्थिति के शक्तिशाली अनुस्मारक बन जाते हैं। अप्रैल का माह भी उत्सव मनाने के लिए हमें कई अवसर प्रदान करता है। दो ऐसे पर्व हैं जिनके बारे में मैं आपको बताना चाहती हूँ।

भारत में ६ अप्रैल से चैत्र माह का आरम्भ हो रहा है, जो हिन्दू पंचांग का पहला माह है। महाराष्ट्र राज्य में यह नववर्ष दिवस 'गुड़ी पड़वा' के नाम से मनाया जाता है। चारों ओर उत्सवों ही उत्सवों का वातावारण होता है। सड़कों पर शोभायात्राएँ निकलती हैं, शानदार दावतों का आयोजन होता है और घर उज्जवल व रंग-बिरंगी रंगोलियों से सुसज्जित होते हैं। यह एक और नववर्ष दिवस है, एक और मंगलमय अवसर है, हमारे लिए साधना के प्रति अपनी वचनबद्धता को नवीन करने का।

साथ ही, २२ अप्रैल को मनाया जाने वाला 'अर्थ डे', हमारे शानदार पृथ्वी ग्रह के प्राचुर्य का सम्मान व उसकी सराहना करने के लिए समर्पित है।

जब मैं ऊँचे व छायादार वृक्षों या भव्य पर्वतों या फिर बहती नदियों को देखती हूँ, जब मैं इस अद्वितीय सौन्दर्य को निहारती हूँ तो मेरे मन में एक मधुर प्रशान्ति व्याप्त हो जाती है। मैं अपने मन की प्रभा के प्रति जागरूक हो जाती हूँ। यह क्षण मेरे लिए कैसा होता है, उसे दर्शाने के लिए मैंने यह दोहा लिखा है और मैं ये पंक्तियाँ आपको बताना चाहती हूँ।

'कुदरत के हर नज़ारे में देखा है जब-जब इशारा तेरा
तेरी नेमतों से ज़िन्दगी गुलज़ार नज़र आती है'

जब मैं प्रकृति के हर नज़ारे में आपके वैभव की झलक देखती हूँ
तो मुझे महसूस होता है कि मेरा जीवन आपके आशीर्वादों से खिल उठा है।

आदर सहित,

गरिमा बोरवणकर

© २०१९ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।